



भूतो का भवन भूत परेतों की कहानी

मैं ये नहीं जनता हु किके ये कहानी में आप यकनि भी करे गे या नहीं पर ये कहानी मैं भी काफी अरसे पहले ही सुनी थी

उस समय हमलोगों के दादा जी के भी बाबू जी उस कस्बे में रहे थे सब कुछ ठीक थक चल रहा था अचानक कुछ बाहरी कोई रहने के लिए वो उस कस्बे में आगे वो लोगो को भी कस्बे में एक छोटा सा माकन करिये पे ले के रहने लगे १० वर्षो तक वे लोग करिये कही माकन में रहे बाद मैं वो लोग भी किसी से जमीन ले कर अपना घर बनाने लगे अब घर किकिम सुरु भी नहीं हुई थी किकि अचानक एक फ़कीर उसी रास्ते जा रहा था तो उस कनिजर वो लोगो पर पड़ी उन लोगो ने पूछा बाबा यहाँ पे ये माकन कैसा रहेगा तो फ़कीर ने एक मुट्ठी मट्टी उठा ली और बोले बेटा क्या तुम भूत परतो में वशिवास करते हो तो उन लोगो ने उस फ़कीर का मजाक उड़ा दिया फ़कीर बोले चलो ठीक है मैं चलता हु तो उस मैं से एक ने कहा बाबा रुक जाओ मैं आप कबिता में वशिवास करता हु बतादो मुझे यहाँ क्या हुआ था अब क्या था उस फ़कीर ने कहानी सुरु किये यहाँ काफी समय पहले कोई रहा करता था और वो आपनी माँ से बहुत ही आधकि प्रेम किये करता था उस किकि माँ भी उस से काफी आधकि प्रेम किये करती थी उस किकि पति कस्बे से बहार शहर में रहता थे वे लोग अपने परिवार से साथ खुश थे अचानक कुछ लोगो एक दिन से कस्बे से बहार कशी से आपने कम किकि जह से कुछ तू तू मेमे हो गई शाम को जब ओ घर को लोटा तो देखा किकिसकी पत्नी उदास पड़ी है उस ने पूछा किकि तुम इतना उदास क्यों हो तो वो बोली कुछ लोग आके हमे और हमारे परिवार जनसे मरने किकि धमकी दे गई है और ओ बोले तुम ये जमीन 5 दिनों के अंदर ये जमीन चोर के चले जाओ गे उसकी पत्नी उस घर को छोड़ने के लिए तैयार नहीं थी और उन लोगो ने जमीन किलोव मैं उन लोगो को घर सहति जिन्दा जला दिया पर कस्बे वाले ये सब नज़ारे देखते ही रहे और कुछ कह न सके वो मर गये पर ओ उसी घर में रहने लगे वे लोग भी वे घर में रहने लगे पर कुछ ही दिनों बाद उन लोगो का हशर बहुत ही बुरा हुआ और वे एक एक कर के मरते गए अंत मैं उस कस्बे वाले ने उस माकन को तोर दिया उस दिन से कस्बे में किसी भी प्रकार का घटना नहीं हुआ है और तुम आब उसी जमीन मैं आपनी माकन बनाने का सोच रहे हो भूल जाओ अचानक उस मैं से एक ने उस फ़कीर को कुछ गलत शब्द कहते हुए कहा जाऊ तुम आपना कम करो और हमलोगों को भी अपना कम करने दो फ़कीर चुप चाप चला गया घर बनने के बाद एक दिन वे लोग उसी घर में रहने लगे अचानक उस घर मैं से एक को कुछ डर सा लगने लगा एक दिन तो उस किकि पत्नी आत्महत्तया करने किकिशिस भी किकि अब तो दिन प्रतदिनि उस घर में परेशानी बढ़ती ही जा रही थी अब तो एक दिन ओ किसी कारन वस अपने छात से गरिते गरिते बचा अब परेशानी दिन प्रतदिनि बढ़ती ही जा रही था पर वो क्या करता उसको तो कोई रास्ता ही नहीं देखि रहा था अब क्या करता ओ दिन प्रतदिनि सोचता ही रह अचानक उसे उस फ़कीर किकिदु आ गई फ़कीर ने उसे एक उक्ती बताये तो उस ने ऐसा ही किये तो उसे भूतो ने स्वप्न में अपनी सारी कहानी सुनाई और बोले मेरा श्राध कर्म नहीं हुआ है इसी कारन मैं घर इस घर को नहीं छोड़ पा रहा हु अब उसने उस भूत का वधि पुरबक श्राध कर्म किये और उस बहुत को मुक्ति मिलि गई और वे लोग आराम से उसी घर में रहने लगे !

उस घर का नाम भूतो का भवन रख दिया !